सरपंच,
ग्राम पंचायत,
भोज्याडा।

विषय :– ग्राम पंचायत के सामुदायिक विकास और शैक्षिक सहायता हेतु आपके सहयोग बाबत।

महोदय/महोदया,

अत्यन्त हर्ष के साथ आपको सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय समावेशी विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और शैक्षिक सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने ग्राम पंचायत कुम्हारियावास को गोद लेकर समस्त ग्राम पंचायत के उत्थान हेतु आपकी पंचायत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय समय समय पर निम्नांकित कार्य करवाये जाने हेतु आपके सहयोग और सहमति का अनुरोध करते है –

1. विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण नियमित रूप से आपकी पंचायत के अधीन समस्त गॉवों में उपस्थित होकर गॉव की महिलाओं/बालिकाओं को शिक्षा और स्वच्छता के बारे में जागरूक करना।
2. विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण महिला/बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण के प्रति और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। विशेष राष्ट्रीय महत्व के अवसरों पर जैसे 2 अक्टूबर, 15 अगस्त, 26 जनवरी आदि राष्ट्रीय पर्वो पर।
3. विश्वविद्यालय ने ग्राम पंचायत के समग्र विकास हेतु एक कम्प्यूटर, ग्राम पुस्तकालय को पुस्तके एवं पुस्तके संधारण हेतु एक अलमारी देना, बच्चों के भविष्य हेतु केरियर काउन्सिल करवाना।
4. विश्वविद्यालय की टीम गॉव में उन्नत कृषि, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और वृक्षारोपण के बारे में शिक्षित एवं सहायता करना।
5. आपकी पंचायत समिति के अन्तर्गत पांच मेघावी छात्राओं को आपकी अनुशंषा पर विश्वविद्यालय में शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति उपलब्ध करवाना।

6. समय समय पर ग्रामवासियों को मौसमी बीमारियो, पौष्टिक भोजन और स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी, उपचार तथा बचाव में सहायता करना।
7. गॉवों में उपस्थित होकर नवयुवकों को नशे की लत से बचाने हेतु विश्वविद्यालय की टीम समय समय पर जागरूक करते हुए नशे से दुरू रहने हेतु प्रेरित करना।
8. रोड दुर्घटना से बचाव हेतु रोड सेफ्टी हेतु नवयुवकों को यातायात नियमों के जागरूक करने हेतु रोड सेफ्टी व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण एवं नाटक मंचन (हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट बांधना) की जानकारी विश्वविद्यालय की टीम द्वारा उपलब्ध करवाना, ताकि रोड दुर्घटना कम से कम हो।
9. आगामी मानसून सत्र को देखते हुए विश्वविद्यालय की टीम गॉवों में उपस्थित होकर हरियालों राजस्थान मिशन के अन्तर्गत जगह जगह पेड पौधे उपलब्ध करवाना ताकि गॉवों में अधिक से अधिक हरियाली हो।
10. विश्वविद्यालय द्वारा शिशुओं में दिव्यांगता के बारे में राज्य सरकार से समन्वय स्थापित कर समुदाय आधारित पुनर्वास के अन्तर्गत निम्नांकित कार्य करना –
    (अ) दिव्यांग बालक/बालिका का पुनर्वास
    (ब) दिव्यांग बालक/बालिका को जागरूकता अभियान चलाना।
    (स) दिव्यांग बालक/बालिका को पहचान/आंकलन करवाना।
    (द) दिव्यांग प्रमाण–पत्र/रेल्वे कन्शेसन बनवाने सम्बन्धि जागरूकता/सूचना/मदद करना।
    (य) दिव्यांग व्यक्तियों को राज्य सरकार द्वारा समय समय पर प्रदान किये जाने वाले भत्ता/पेंशन की जानकारी एवं जागरूकता प्रदान करना।
    (र) दिव्यांग व्यक्तियों को सरकार द्वारा प्राप्त आरक्षण की जानकारी/जागरूकता करना।
    (ल) दिव्यांगता प्रमाण–पत्र बनवाने हेतु राज्य सरकार से समन्वय स्थापित कर समय समय पर कैम्प का आयोजन करवाना।

University of Technology Vatika, Jaipur
राजिस्ट्रार

प्रतिलिपि – सूचनार्थ –

1. चेयरपर्सन, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी।
2. प्रसीडेन्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी।
3. प्रो प्रसीडेन्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी।

सरपंच
ग्राम पंचायत भोज्याड़ा
पं.स. चाकसू (जयपुर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भोज्याड़ा
पं.स. चाकसू (जयपुर)